एग्री मैगज़ीन
(कृषि लेखों के लिए अंतरराष्ट्रीय ई-पत्रिका)
वर्ष: 03, अंक: 04 (अप्रैल, 2026)
www.agrimagazine.in पर ऑनलाइन उपलब्ध
© एग्री मैगज़ीन, आई. एस. एस. एन.: 3048-8656

बाजरा में एरगोट रोग: कारण एवं नियंत्रण उपाय

डॉ. मेघा शर्मा[1] एवं *दिविशा[2]
[1]असिस्टेंट प्रोफेसर, कृषि संकाय, जगन्नाथ यूनिवर्सिटी, चाकसू, जयपुर, राजस्थान, भारत
[2]छात्रा, बी.एस.सी. (ऑनर्स) कृषि, जगन्नाथ यूनिवर्सिटी, चाकसू, जयपुर, राजस्थान, भारत
*संवादी लेखक का ईमेल पता: divisha001k@gmail.com

बाजरा हमारे देश की एक महत्वपूर्ण फसल है, जो शुष्क और अर्ध-शुष्क क्षेत्रों में अधिक उगाई जाती है। लेकिन कई रोग इसके उत्पादन को प्रभावित करते हैं, जिनमें एरगोट रोग एक गंभीर समस्या है। यह रोग न केवल उपज को कम करता है, बल्कि अनाज की गुणवत्ता को भी खराब कर देता है।

एरगोट रोग क्या है?

एरगोट रोग एक कवक (फफूंद) जनित रोग है, जो मुख्य रूप से बाजरा की बालियों को प्रभावित करता है। इस रोग में दाने की जगह काले, कठोर संरचनाएँ बन जाती हैं जिन्हें एरगोट (स्क्लेरोटिया) कहा जाता है।

रोग के लक्षण

- फूल आने के समय बालियों से चिपचिपा, मीठा तरल (हनीड्यू) निकलता है।
- इस तरल पर कीट और धूल चिपक जाती है।
- बाद में दानों की जगह काले, लम्बे और कठोर दाने जैसे संरचनाएँ बनती हैं।
- प्रभावित बालियाँ कमजोर और विकृत दिखाई देती हैं।

रोग के कारण

- यह रोग क्लैविसेप्स फ्यूसीफॉर्मिस नामक कवक के कारण होता है।
- संक्रमित बीज का प्रयोग करना।
- खेत में पहले से मौजूद एरगोट के अवशेष (स्क्लेरोटिया)।
- अधिक नमी और ठंडा मौसम रोग के विकास को बढ़ावा देता है।
- फूल आने के समय बारिश या अधिक आर्द्रता होना।

रोग का प्रसार

- यह रोग मुख्यतः हवा, वर्षा और कीटों के माध्यम से फैलता है। संक्रमित पौधों से स्वस्थ पौधों में यह आसानी से पहुँच जाता है।

रोकथाम एवं नियंत्रण उपाय

1. शुद्ध बीज का उपयोग

हमेशा रोगमुक्त और प्रमाणित बीज का ही प्रयोग करें।

2. बीज उपचार

बुवाई से पहले बीज को उपयुक्त फफूंदनाशी दवा से उपचारित करें।

3. फसल चक्र अपनाना

लगातार एक ही फसल न बोकर फसल चक्र अपनाएं, जिससे रोग का प्रभाव कम हो।

4. समय पर बुवाई

बुवाई समय पर करें ताकि फूल आने के समय अत्यधिक नमी से बचाव हो सके।

5. खेत की सफाई

फसल के अवशेषों को नष्ट करें और खेत को साफ रखें।

6. रासायनिक नियंत्रण

फूल आने की अवस्था में उपयुक्त फफूंदनाशी का छिड़काव करें।

7. संक्रमित पौधों को हटाना

रोगग्रस्त पौधों को खेत से निकालकर नष्ट कर दें।

निष्कर्ष

एरगोट रोग बाजरा की फसल के लिए एक गंभीर समस्या है, लेकिन सही प्रबंधन और समय पर नियंत्रण उपाय अपनाकर इससे होने वाले नुकसान को कम किया जा सकता है। किसान यदि शुद्ध बीज, उचित खेती पद्धति और फफूंदनाशी उपायों का सही उपयोग करें, तो इस रोग पर प्रभावी नियंत्रण संभव है।